6 राजस्थान में मिट्टियाँ, अपरदन व मरूस्थलीकरण

1. राज्य में सर्वाधिक भाग में फैली हुई मिट्टी कौनसी है?
(1) रेतीली बलूई मिट्टी (2) काली मिट्टी
(3) दोमट मिट्टी (4) लाल भूरी मिट्टी (1)

व्याख्या– यह मिट्टी राजस्थान के पश्चिम भाग में पायी जाती है। यह राज्य में सबसे अधिक भू–भाग पर पायी जाने वाली मिट्टी है, इस मिट्टी के कण मोटे होते है जो नमी रोकने में असमर्थ होते है इसमें नाइट्रोजन व कार्बनिक तत्वों की कमी एवं कैल्शियम व फॉस्फेट तत्वों की अधिकता होती है, इस कारण यह भूमि अनुपजाऊ होती है।

2. सीकर, झुन्झुनू, नागौर, चुरू, जोधपुर, पाली, जालौर आदि जिलों में मुख्यतया: कौनसी मिट्टी पायी जाती है?
(1) इनसेप्टीसोल्स (2) एरिडीसोल्स
(3) वर्टीसोल्स (4) अल्फीसोल्स (2)

3. सिरोही, पाली, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, राजसमन्द, प्रतापगढ़ आदि जिलों में किस प्रकार की मिट्टी पायी जाती है?
(1) वर्टीसोल्स (2) इनसेप्टीसोल्स
(3) ऐरिडीसोल्स (4) उपरोक्त सभी (2)

व्याख्या– इनसेप्टीसोल्स मृदा उप आर्द्र जलवायु में पायी जाती है।

4. मिट्टी अपरदन को कहा जाता है?
(1) सेम (2) कृषि का क्षय रोग
(3) अवक्षालन (4) कैंसर मृदा (2)

5. मिट्टी अपरदन एवं अपक्षरण की समस्या को क्या कहते है?
(1) रेंगती हुई मृत्यु (2) हरित मृदा
(3) सेम समस्या (4) कैंसर मृदा (1)

6. राज्य में मृदा अपरदन के लिए सर्वाधिक उत्तरदायी कारक कौनसा है?
(1) वायु (2) जल
(3) वनों का विनाश (4) तापमान (1)

व्याख्या– राजस्थान का लगभग 61 प्रतिशत भाग मरूस्थलीय है, पश्चिमी राजस्थान में मार्च से जुलाई तक तेज हवाओं और धूल भरी आँधियों से तेजी से मृदा का अपरदन होता है। राजस्थान का लगभग 19.41 प्रतिशत भाग वायु अपरदन की समस्या से ग्रसित है।

7. निम्न को सुमेलित कीजिए–

मिट्टी	क्षेत्र
1. बलूई रेतीली मिट्टी	I. अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक
2. कछारी /जलोढ़	II. उदयपुर, डूँगरपुर
3. लाल दोमट मिट्टी	III. जयपुर, टोंक, दौसा
4. भूरी मिट्टी	IV. जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर

	1	2	3	4
(1)	II	III	IV	I
(2)	I	II	III	IV
(3)	I	II	III	IV
(4)	IV	III	II	I

(4)

8. राज्य में सर्वाधिक क्षेत्र पर कौनसी मिट्टी का फैलाव है?
(1) एण्टिसोल्स व एरिडीसोल्स (2) वर्टीसोल्स
(3) इनसेप्टिसोल्स (4) अल्फीसोल्स (1)

9. राज्य के पूर्वी मैदानी भाग में मिट्टी की उर्वरता बने रहने का कारण क्या है?
(1) वनों का आधिक्य
(2) नये कार्यक्रमों द्वारा मिट्टी का संरक्षण करना
(3) नियमित रूप से सिंचाई करना
(4) प्रति वर्ष नवीन जलोढ़ मिट्टी का जमाव (4)

10. राजस्थान में प्रथम मिट्टी प्रयोगशाला कहाँ स्थापित की गई?
(1) जयपुर (2) जोधपुर
(3) कोटा (4) उदयपुर (2)

11. जोधपुर मिट्टी प्रयोगशाला की स्थापना भारत सरकार की सहायता से कब की गयी?
(1) 1957 (2) 1958
(3) 1969 (4) 1985 (2)

व्याख्या– राजस्थान के सभी जिलों में कुल 113 मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाएँ संचालित हैं, जिनमें से 101 स्थिर प्रयोगशालाएँ व 12 भ्रमणशील प्रयोगशालाएँ हैं।

12. गंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर व जालौर जिलों में किस मिट्टी का फैलाव है?
(1) लवणीय मिट्टी (2) पर्वतीय मिट्टी
(3) भूरी मिट्टी (4) जलोढ़ मिट्टी (1)

13. किस मिट्टी में बारीक कण, नमीधारण की उच्च क्षमता, फॉस्फेट व नाइट्रोजन पदार्थो की अल्पता और कैल्शियम एवं पोटाश की पर्याप्तता देखने को मिलती है?
(1) लाल मिट्टी (2) काली मिट्टी
(3) दोमट मिट्टी (4) भूरी मिट्टी (2)

14. किस मिट्टी में सर्वाधिक लौह–ऑक्साइड की मात्रा होती है?
(1) भूरी (2) काली
(3) पर्वतीय (4) लाल (4)

व्याख्या– लाल मिट्टी का निर्माण स्फटकीय एवं कायान्तरित चट्टानों से हुआ है, इस मिट्टी में नाइट्रोजन, कैल्शियम व फास्फोरस की कमी होती है, लौह तत्त्वों की अधिकता होने के कारण इस मिट्टी का रंग लाल होता है।

15. पर्वतीय क्षेत्र की मिट्टी को क्या कहा जाता है?
(1) वर्टीसोल्स (2) लिथोसोल्स
(3) एरिडोसोल्स (4) अल्फीसोल्स (2)

16. राजस्थान में सेम समस्या से गम्भीरतम प्रभावित जिले कौन से हैं?
(1) सीकर–झुंझुनूं (2) कोटा– बूँदी
(3) हनुमानगढ़–गंगानगर (4) पाली–जालौर (3)

व्याख्या– राजस्थान में सेम की सर्वाधिक समस्या इंदिरा गाँधी नहर क्षेत्र व गंगनहर सिंचित क्षेत्र में है।

17. राजस्थान में बंजर भूमि का क्षेत्र किस जिले में सबसे अधिक पाया जाता है? वह है–
(1) जैसलमेर (2) राजसमंद
(3) गंगानगर (4) चुरू (1)

Read and Achieve Dhindhwal Publication

18. रियासती काल में भू–राजस्व या लगान को क्या कहा जाता था?
(1) गिरदावरी (2) कूंता
(3) मालगुजारी (4) बिश्वेदारी (3)

19. सरकार द्वारा ईंधन या पशु चराई के लिए छोड़ी गई भूमि कहलाती है?
(1) बणी (2) रेह
(3) डहरी (4) बंजर (1)

20. तालाब या गड्ढ़ों में पानी सूखने के बाद ऊपर जमी हुई उपजाऊ मिट्टी की परत क्या कहलाती है?
(1) मट्टियार (2) रेह
(3) डहरी (4) पणो (4)

21. विश्व मरूस्थलीकरण रोकथाम दिवस कब मनाया जाता है?
(1) 8 अप्रैल (2) 17 जून
(3) 24 अगस्त (4) 10 अक्टूबर (2)

व्याख्या– 17 जून को विश्व मरूस्थलीय रोकथाम दिवस (World Day to Combat Dessertification) मनाया जाता है। यह दिवस 17 जून 1995 को पहली बार मनाया गया था।

22. सन या सूत का मोटा रस्सा, जो चड़स/डोल को कुएँ में से खींचने के काम आता है?
(1) लाव (2) गूण
(3) भूण (4) लाण (1)

23. सामान्य मिट्टी का P.H. मान कितना होता है?
(1) 6 (2) 7
(3) 8 (4) 9 (2)

24. कपास तथा मक्का की फसल के लिए उपयुक्त मिट्टी है?
(1) लाल–पीली (2) जलोढ़
(3) मिश्रित लाल–काली (4) भूरी मिट्टी (3)

25. राजस्थान के किस प्रदेश में वर्टीसोल्स मृदा मिलती है?
(1) शेखावाटी (2) ढूंढाड़ प्रदेश
(3) हाड़ौती का पठार (4) घग्घर का मैदान (3)

व्याख्या– वर्टीसोल्स मृदा आर्द्र व अतिआर्द्र जलवायु प्रदेशों में पायी जाती है। कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़ में अधिकांश भाग में विस्तृत है।

26. आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट 2021–22 के अनुसार राज्य के कुल क्षेत्रफल के कितने प्रतिशत भाग पर बंजर भूमि पायी जाती है?
(1) 10.84% (2) 11.04%
(3) 30% (4) 20.5% (1)

व्याख्या– भू उपयोग सांख्यिकी 2019–20 के अनुसार राजस्थान में 37.17 लाख हैक्टेयर भूमि बंजर है, जो राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का 10.84 प्रतिशत है।

27. 'सेम' क्या है?
(1) मिट्टी का कटाव या अपरदन
(2) मरूस्थल के प्रसार से अनुपजाऊ हुई भूमि
(3) भूमि की उर्वरा क्षमता का ह्रास होना
(4) जलाधिक्यता के कारण भूमि का दलदलीय होना (4)

व्याख्या– रेतीले मरूस्थल में जमीन के नीचे चूने पत्थर की विशाल चट्टानों का विस्तार है, जिस कारण नहरों व नदियों से रिसने वाला पानी जमीन में अधिक गहराई तक नहीं जा पाता है, इसलिए ऐसे स्थानों पर दलदल बन जाता है, इसी प्रकार के दलदल की समस्या को ही 'सेम या जलाधिक्य' की समस्या कहते हैं।

28. निम्न में से कौनसा एक मरूस्थलीकरण के रोकथाम के लिए उपयोगी है–
(1) मृदा संरक्षण (2) अतिचारण नियंत्रण
(3) वनोन्मूलन पर नियंत्रण (4) ये सभी (4)

29. राजस्थान के सिरोही व पाली जिलों में कौन से प्रकार की प्रधान मृदा मिलती है–
(1) अल्फीसोल्स (2) वर्टीसोल्स
(3) एंटीसोल्स (4) इन्सेप्टीसोल्स (4)

व्याख्या– इन्सेप्टीसोल्स मृदा उप आर्द्र जलवायु में पायी जाती है। यह मृदा सिरोही, पाली, राजसमंद, उदयपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ जिलों में पायी जाती है।

30. डूँगरपुर बाँसवाड़ा के अधिकांश भाग में है–
(1) काली मिट्टी (2) लाल दोमट (लोम) मृदा
(3) भूरी मिट्टी (4) पर्वतीय मिट्टी (2)

31. किस जिले में भूरी मिट्टी मिलती है–
(1) बूँदी (2) जैसलमेर
(3) सवाई माधोपुर (4) धौलपुर (3)

व्याख्या– भूरी मिट्टी का प्रसार अरावली के पूर्वी भाग में है यह मुख्यतः बनास बेसिन में पायी जाती है इसमें नाइट्रोजन व फास्फोरस तत्वों का अभाव होता है। यह भीलवाड़ा, अजमेर, सवाई माधोपुर व करौली जिलों में पायी जाती है।

32. निम्नलिखित में से कौन से कारक राजस्थान में मरुस्थलीकरण के लिये उत्तरदायी नहीं हैं–
(1) वनों की कटाई (2) धूल भरी आँधियों का चलना
(3) बूंद–बूंद सिंचाई (4) मृदा अपरदन (3)

33. राजस्थान में निम्नांकित में से जिलों का कौन–सा समूह अवनालिका (gully) मृदा अपरदन से गम्भीर रूप से ग्रसित है–
(1) जैसलमेर, बाड़मेर एवं बीकानेर
(2) सिरोही, राजसंमद एवं उदयपुर
(3) डूँगरपुर, बाँसवाड़ा एवं प्रतापगढ़
(4) धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर एवं कोटा (4)

34. वर्टीसोल्स मिट्टी, राजस्थान के निम्नलिखित में से किन जिलों में नहीं पाई जाती है–
(1) बून्दी, बाँसवाड़ा (2) धौलपुर, करौली
(3) झालावाड़, बारां (4) कोटा, भरतपुर (2)

व्याख्या– राजस्थान के दक्षिणी पूर्वी भाग (हाड़ौती क्षेत्र) में वर्टीसोल्स मृदा पायी जाती है। ये मिट्टी मुख्यतः कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़ में पायी जाती है, इसके अलावा भरतपुर,चित्तौड़गढ़, सवाईमाधोपुर, डूँगरपुर व बाँसवाड़ा के कुछ भागों में भी पायी जाती है।

35. खेतों मे फसलों के बीच उगी खरपतवार को हटाने का कार्य कहलाता है–
(1) निनाण (2) सूड़
(3) गिरदावरी (4) मेड़बंदी (1)

36. लीली, सीरमा, सूकली तथा रांकड़ प्रकार है–
(1) मेवाड़ में मिट्टी के
(2) मरूस्थल में वनस्पति के
(3) शेखावाटी में कृषि उपकरणों के
(4) ढूढ़ाड़ क्षेत्र की खरपतवार के (1)

37. कथन (A): राजस्थान में पाई जाने वाली सीरोजम मिट्टी की उर्वरा शक्ति अपेक्षाकृत कम होती है।
कारण (B): सीरोजम मिट्टी में नाइट्रोजन तथा कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है।
(1) कथन (A) सही है, (B) गलत है।
(2) कथन (B) सही है, (A) गलत है।
(3) कथन (A) और (B) दोनों सही हैं, लेकिन (A) ;(B) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(4) कथन (A) और (B) दोनों सही हैं तथा (A) ;(B) की सही व्याख्या करता है। (4)

38. राजस्थान में मरुस्थलीकरण के लिये कौन सा भौतिक कारण नहीं है–
(1) भूमि–उपयोग में परिवर्तन
(2) बालू और बालूकास्तूपों का एकत्र होना
(3) भूमि में नमी की कमी होना
(4) जलवायु परिवर्तन (1)

व्याख्या– भूमि उपयोग में परिवर्तन में मरूस्थलीकरण बढ़ता है, लेकिन यह भौतिक कारण नहीं है, भूमि उपयोग में परिवर्तन एक मानवीय गतिविधि है। शेष तीनों विकल्प भौतिक कारण हैं।

39. राजस्थान में मरुस्थलीकरण का मूल कारण क्या है –
(1) अनियंत्रित खनन (2) वर्षा की न्यूनता
(3) जलवायु परिवर्तन (4) भूमिगत जल की लवणता (2)

40. मरूस्थलीकरण रोकथाम दिवस 2021 की थीम है–
(1) **Restoration land recovery, we build back with healthy land**
(2) Restoration land with recovery.
(3) We build back with healthy land
(4) Resstoration land recoverty (1)

व्याख्या– मरूस्थलीकरण रोकथाम दिवस 2022 की थीम– 'एक साथ सूखे से निपटना' रखी गई है।

41. समेकित बंजर भूमि विकास कार्यक्रम कब प्रारम्भ हुआ–
(1) 1989–90 (2) 1987–88
(3) 1990–91 (4) 1996–97 (1)

व्याख्या– केन्द्र सरकार ने इस कार्यक्रम की शुरूआत 1989–90 में की। राजस्थान के 10 जिलों (जयपुर, सीकर, जोधपुर, टोंक, उदयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, झालावाड़, जैसलमेर व पाली) में इसे 1992–93 प्रारम्भ किया गया। इसे ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के माध्यम से क्रियाविन्त किया जा रहा है।

42. तालाबों और कुओं द्वारा सिंचित भूमि को स्थानीय भाषा में कहा जाता है–
(1) चाही (2) डहरी
(3) मगरा (4) पीवल (4)

43. दक्षिणी–पूर्वी राजस्थान में किस मृदा की प्रधानता है–
(1) रेतीली मिट्टी (2) रेतीली भूरी
(3) मध्यम काली मिट्टी (4) लाल मिट्टी (3)

44. दोमट मिट्टी किन जिलों में पाई जाती है–
(1) बाड़मेर एवं जैसलमेर (2) हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर
(3) अजमेर एवं झालावाड़ (4) नागौर एवं राजसमंद (2)

व्याख्या– यह राजस्थान के पूर्वी मैदानी भागों में पायी जाती है। इसमें चूने, फास्फोरस व ह्यूमस की कमी पायी जाती है, नाइट्रोजन की अधिकता होती है इसलिए यह मिट्टी सर्वाधिक उपजाऊ होती है। यह नदियों द्वारा बहाकर लायी गयी मिट्टी होती है पश्चिमी राजस्थान में हनुमानगढ़ व गंगानगर में भी मिलती है।

45. आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट 2021–22 के अनुसार राज्य के कुल क्षेत्रफल के कितने प्रतिशत भाग पर 'स्थायी चारागाह तथा अन्य गोचर भूमि' पायी जाती है?
(1) 10.85% (2) 4.86%
(3) 6.52% (4) 16.57% (2)

व्याख्या– भू उपयोग सांख्यिकी 2019–20 के अनुसार राजस्थान में 16.67 लाख हैक्टेयर भूमि 'स्थायी चारागाह तथा अन्य गोचर भूमि' है, जो राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का 4.86 प्रतिशत है।

46. 'स्वस्थ धरा खेत हरा' नारा निम्न में से किस योजना का है?
(1) मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना
(2) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
(3) समेकित बंजर भूमि विकास कार्यक्रम
(4) इंडो डच जल निकासी परियोजना (1)

47. राजस्थान में सर्वाधिक वायु अपरदन वाला जिला है?
(1) जैसलमेर (2) गंगानगर
(3) नागौर (4) चुरू (1)

48. मरूस्थलीकरण के विस्तार से संरक्षण की कौनसी तकनीक सबसे उपयुक्त है–
(1) बार बार सिंचाई करना
(2) वनोन्मूलन को बढ़ावा देना
(3) बीड़ भूमि को कम करना
(4) वातरोधी वृक्षारोपण पट्टी बनाना (4)

49. राजस्थान में बंजर भूमि विकास कार्यक्रम क्रियान्वित होता है–
(1) कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा
(2) ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा
(3) पशुपालन विभाग द्वारा
(4) इनमें से कोई नहीं (2)

व्याख्या– केन्द्र सरकार द्वारा बंजर भूमि विकास कार्यक्रम 1989–90 में प्रारम्भ किया गया। राजस्थान में इसे 1992–93 से 10 जिलों (जयपुर, सीकर, टोंक, जोधपुर, जैसलमेर, पाली, उदयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा व झालावाड़) में प्रारम्भ किया गया।

50. लवणीय मृदाओं को किस विधि से सुधारा जा सकता है–
(1) निस्पंदन विधि
(2) झुमिंग कृषि द्वारा
(3) मिट्टी को छानकर
(4) मिट्टी से क्यारी विधि द्वारा नमक निकाल कर (1)

51. पाली, नागौर, तथा सिरोही जिलों में किस प्रकार की मृदा पाई जाती है–
(1) कच्छारी मिट्टी (2) रेगुर मिट्टी
(3) धूसर–भूरी (ग्रे–ब्राउन) जलोढ़ (4) पर्वतीय मिट्टी (3)

52. सूची–I को सूची–II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–

सूची–I (मिट्टी के प्रकार)	सूची–II (जलवायु प्रदेश)
A. एरिडीसोल्स	I. अर्द्ध–शुष्क
B. इन्सेप्टीसोल्स	II. उप–आर्द्र
C. अल्फीसोल्स	III. आर्द्र
D. वर्टीसोल्स	IV. अति–आर्द्र

	A	B	C	D	
(1)	II	III	IV	I	
(2)	II	I	III	IV	
(3)	I	II	III	IV	
(4)	IV	III	II	I	(3)

53. 1991 में अमेरिकी कृषि वैज्ञानिकों ने विश्व की मिट्टियों को विविध गुणों व रासायनिक संरचना के आधार पर 11 भागों में बांटा है इस आधार पर राजस्थान की मिट्टियों को कितने उपभागों में विभाजित किया है–
(1) 5 (2) 11
(3) 6 (4) 8 (1)

54. सेम की समस्या को रोकने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त माना जाता है–
(1) बबुल (2) नीम
(3) यूकेलिप्टस इंडिका (4) केर (3)

55. प्रमुख भूमि सुधार कानूनों के बारे में असत्य कथन बताइए –
(1) राजस्थान काश्तकारी एक्ट–1955
(2) राजस्थान भूमि सुधार एवं जागीरदारी पुनर्ग्रहण एक्ट–1952
(3) राजस्थान जागीरदारी व बिश्वेदारी उन्मूलन एक्ट–1959
(4) राजस्थान काश्तकारी एक्ट –1945 (4)

व्याख्या– राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 15 अक्टूबर, 1955 को लागू किया गया था।

56. राजस्थान में 'मरूस्थल का प्रयाण' प्रक्रिया का सम्बन्ध है–
(1) मरूस्थल में मेड़बंदी (2) मरूस्थल का विस्तार से
(3) मरूस्थल की सिंचाई (4) मरूस्थल का संकुचन (2)

57. सोलनचॉक मृदा पाई जाती है–
(1) डीडवाना, पचपदरा, सांभर
(2) सिलीसेढ़, नवलसागर, दुगारी
(3) सुजानगंगा, तालाबशाही, मावठा
(4) आनासागर, जैतसागर, रामगढ़ (1)

58. राजस्थान के किस संस्थान में इसरो (सैक) अहमदाबाद ने 17 जुन 2016 को मरूस्थलीकरण एवं भूमिरक्षण एटलस का विमोचन किया–
(1) AFRI (2) CAZRI
(3) एटलस संस्थान (4) UNFC (1)

59. निम्नलिखित में से कौन सा युग्म सुमेलित नहीं है–
(1) ग्रे–ब्राउन जलोढ़ मृदा– जालौर
(2) लाल–लोम– डूँगरपुर
(3) रेवेरिना– गंगानगर
(4) साई रोजेक्स– जयपुर (4)

व्याख्या– साई रोजेक्स प्रकार की मृदा गंगानगर जिले में पायी जाती है।

60. पुरानी जलोढ़क मृदाएं .....मृदाओं द्वारा प्रदर्शित की जाती है?
(1) बांगड़ (2) पीटमय
(3) लाल व पीली (4) लेटेराइट (1)

Dhindhwal Publication

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती मुख्य परीक्षा– 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें–

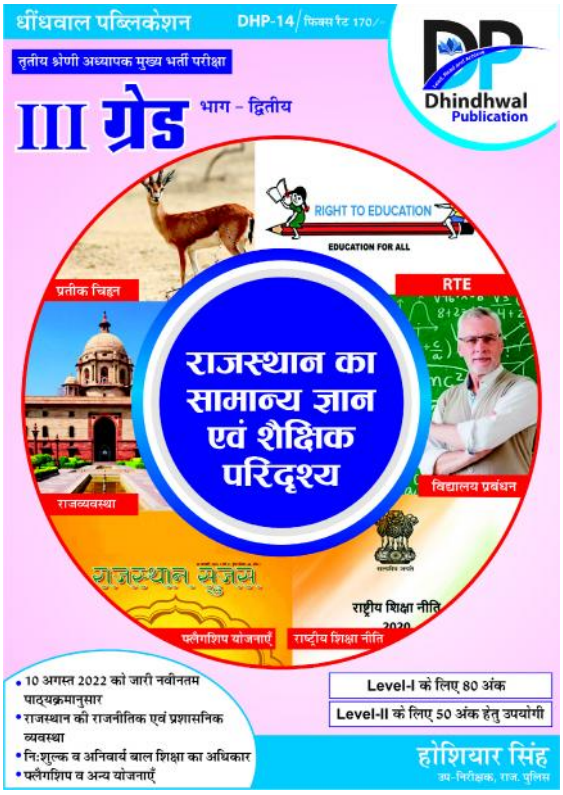

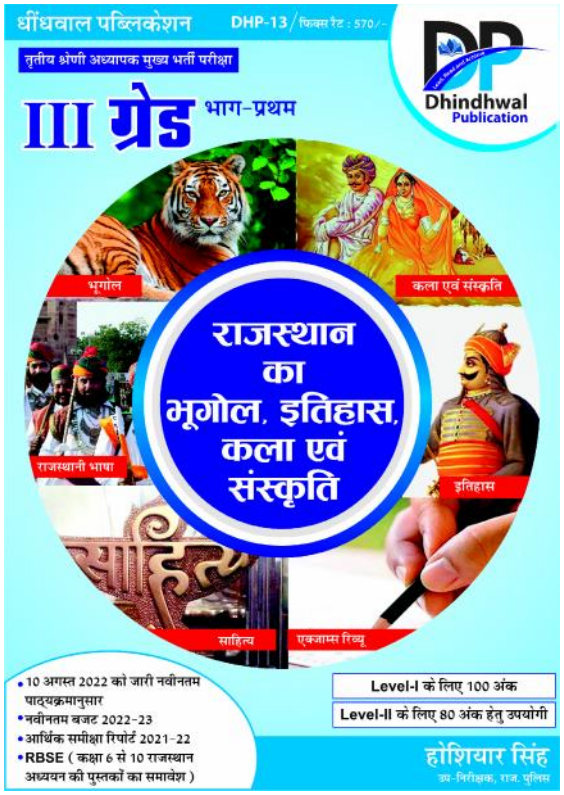

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध हैं। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।